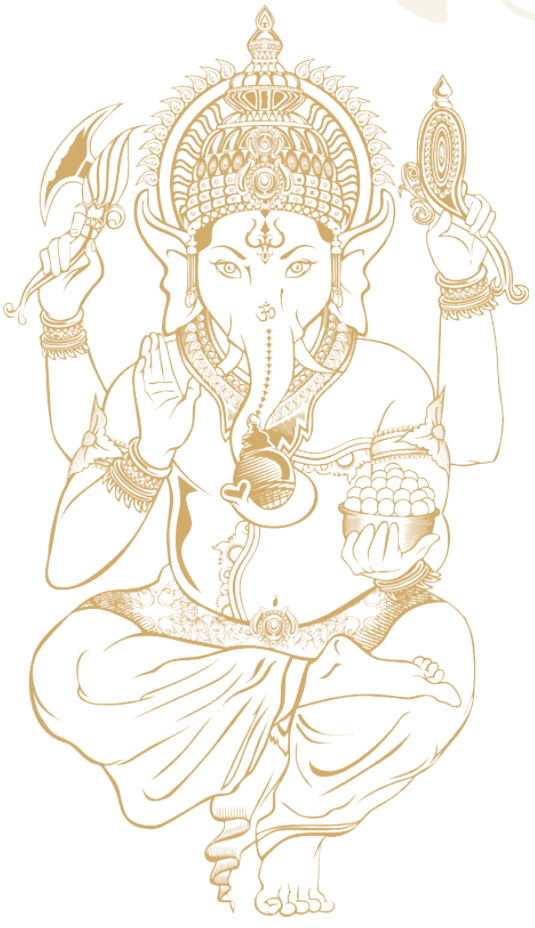

Mr.Akash kr. Singh

Ms.Meena kumari Sahi

Model: Web-FreeMatching

Order No: 120255112

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
07/12/1992	जन्म तिथि	24-25/05/1996
सोमवार	दिन	शुक्र-शनिवार
घंटे 10:15:00	जन्म समय	04:30:00 घंटे
घटी 10:26:56	जन्म समय(घटी)	59:01:23 घटी
India	देश	India
Kolkata	स्थान	Gopalganj
22:34:00 उत्तर	अक्षांश	26:28:00 उत्तर
88:21:00 पूर्व	रेखांश	84:26:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे 00:23:24	स्थानिक संस्कार	00:07:44 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:04:13	सूर्योदय	05:01:40
16:51:54	सूर्यास्त	18:36:50
23:45:46	चित्रपक्षीय अयनांश	23:48:28

विंशोत्तरी
शुक्र 14वर्ष 3मा 16दि

मंगल	
25/03/2023	
25/03/2030	
मंगल	21/08/2023
राहु	08/09/2024
गुरु	15/08/2025
शनि	24/09/2026
बुध	21/09/2027
केतु	17/02/2028
शुक्र	18/04/2029
सूर्य	24/08/2029
चन्द्र	25/03/2030

ग्रह	राशि	अंश
लग्न	वृष	00:36:17
सूर्य	वृष	10:13:22
चंद्र	सिंह	03:12:26
मंगल	मेष	22:40:50
बुध व	मेष	26:08:05
गुरु व	धनु	23:12:23
शुक्र व	मिथु	04:02:52
शनि	मीन	11:10:45
राहु व	कन्या	22:06:02
केतु व	मीन	22:06:02
हर्ष व	मक	10:40:11
नेप व	मक	03:46:27
प्लूटो व	वृश्चि	07:52:05

राशि	अंश
वृष	00:36:17
वृष	10:13:22
सिंह	03:12:26
मेष	22:40:50
मेष	26:08:05
धनु	23:12:23
मिथु	04:02:52
मीन	11:10:45
कन्या	22:06:02
मीन	22:06:02
मक	10:40:11
मक	03:46:27
वृश्चि	07:52:05

विंशोत्तरी
केतु 5वर्ष 3मा 24दि

सूर्य	
17/09/2021	
18/09/2027	
सूर्य	05/01/2022
चन्द्र	07/07/2022
मंगल	11/11/2022
राहु	06/10/2023
गुरु	24/07/2024
शनि	06/07/2025
बुध	13/05/2026
केतु	18/09/2026
शुक्र	18/09/2027

लग्न-चलित

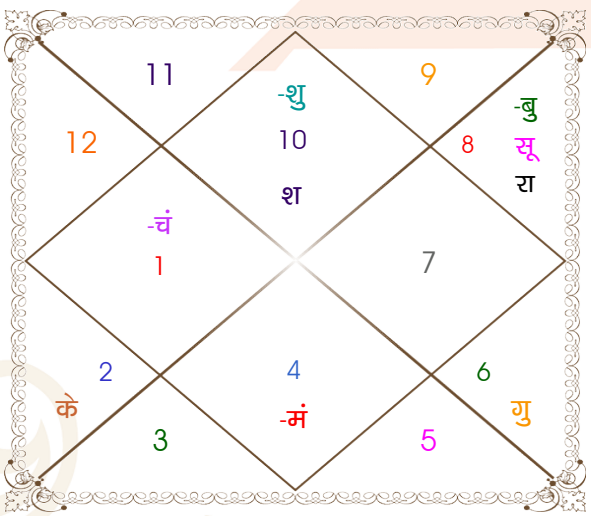

लग्न-चलित

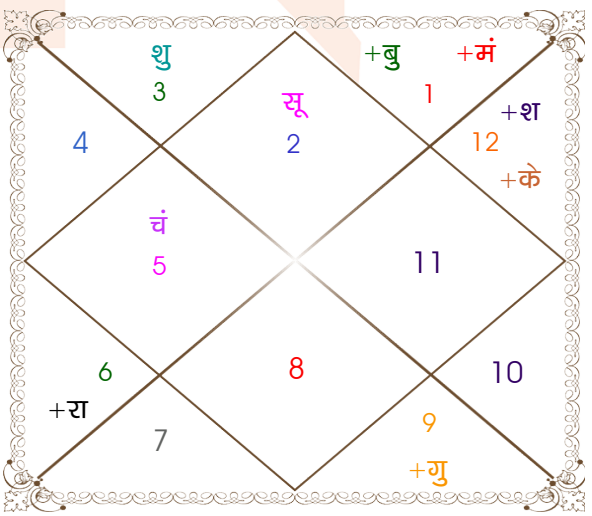

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	क्षत्रिय	क्षत्रिय	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	वनचर	2	0.00	--	स्वभाव
तारा	सम्पत	अतिमित्र	3	3.00	--	भाग्य
योनि	गज	मूषक	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	मंगल	सूर्य	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	राक्षस	6	0.00	हाँ	सामाजिकता
भकूट	मेष	सिंह	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	अन्त्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	19.00		

गणदोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों मे मित्रता है।

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

Mr.Akash kr. Singh का वर्ग मृग है तथा Ms.Meena kumari Sahi का वर्ग मूषक है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Mr.Akash kr. Singh और Ms.Meena kumari Sahi का मिलान शुभ है।

मंगलीक दोष मिलान

Mr.Akash kr. Singh मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

चतुः सप्तमे भौमो मेषकर्कटे निग्रहः।
कुजदोषो न विद्यते।।

अर्थात् चतुर्थ तथा सप्तम भाव में यदि मेष या कर्क का मंगल हो तो कुजदोष समाप्त हो जाता है। क्योंकि मंगल Mr.Akash kr. Singh कि कुण्डली में सप्तम् भाव में कर्क राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

भौमेः वक्रिणि नीचगृहे वाऽर्कस्थेऽपि वा न कुजदोषः।

अर्थात् यदि मंगल वक्री, नीच, अस्त का हो तो मंगल दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल Mr.Akash kr. Singh कि कुण्डली में नीच का है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Ms.Meena kumari Sahi मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

व्यये च कुजदोषः कन्यामिथुनयोरविना।
द्वादशे भौमदोषस्तु वृषतौलिकयोरविना।।

अर्थात् व्यय भाव में यदि मंगल बुध तथा शुक्र की राशियों में स्थित हो तो भौम दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल Ms.Meena kumari Sahi कि कुण्डली में द्वादश भाव में मेष राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम्।
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा।।

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल Ms.Meena kumari Sahi कि कुण्डली में स्वराशि में है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि Ms.Meena kumari Sahi कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु Mr.Akash kr. Singh कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Mr.Akash kr. Singh तथा Ms.Meena kumari Sahi में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।